शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादकः संजय बघेल

@ PG 2

शनिवार 7 फरवरी 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 10 ● अंक : 284 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

पाकिस्तान- शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान ब्लास्ट

इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले में 31 लोगों की मौत, 169 घायल

राष्ट्रबाण | इस्लामाबाद | एजेंसी | rashtrabaan.in

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में आत्मघाती हमला हुआ। पाकिस्तानी अखबार द डॉन के मुताबिक, हमले में 31 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं। इससे पहले पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में 69 मौतों की जानकारी आई थी। पुलिस और रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और राहत का काम शुरू कर दिया है। अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया और घायलों को वहां पहुंचाया जा रहा है।

इस्लामाबाद के पुलिस चीफ ने पूरे शहर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। अधिकारियों को आशंका है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

राष्ट्रपति बोले- ये हमला इंसानियत के खिलाफ

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना इंसानियत के खिलाफ है। जरदारी ने घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए।

मंत्री ने कहा- ऐसी घटनाएं देश का हौसला नहीं तोड़ सकती

पार्लियामेंट्री अफेयर्स के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस्लामाबाद में हुए धमाके की मैं कड़ी निंदा करता हूं। इस हमले में मारे गए लोगों के लिए दुखी हूं। ऐसी आतंकी घटनाएं देश और लोगों का हौसला नहीं तोड़ सकती। जरूरत है कि हम सब मिलकर शांति के लिए एकजुट हों और कानून व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों के साथ मजबूती से खड़े रहें।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 के मुताबिक, बुर्किना फासो के बाद पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे आतंक प्रभावित देश बन चुका है, जबकि 2024 में यह चौथे स्थान पर था। 2025 में टीटीपी के हमलों में 90% की वृद्धि हुई है। वहीं बलूच आर्मी के हमलों में 60% बढ़ोतरी हुई। इस्लामिक स्टेट- खुरासान ने अब पाकिस्तानी शहरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सबसे ज्यादा आतंक प्रभावित इलाके हैं। देश भर की कुल आतंकी घटनाओं में से 90% इसी इलाके में हुईं। रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को लगातार दूसरे साल पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बताया गया। 2024 में इस ग्रुप ने 482 हमले किए, जिसकी वजह से 558 मौतें हुई थीं, जो 2023 के मुकाबले 91% ज्यादा हैं।

मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाका, 19 की मौत

कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका, दो आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रबाण | शिलांग | एजेंसी | rashtrabaan.in

मेघालय के ईस्ट जैंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में धमाका हो गया। हादसे में कम से कम 19 मजदूरों की मौत हो गई। 8 मजदूर घायल हैं। कई मजदूरों के अब भी खदान में फंसे होने की आशंका है। यह जानकारी राज्य की पुलिस महानिदेशक आई. नोंग्रांग ने दी। धमाके के सिलसिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सर्च एंड रेस्क्यू टीमें अभी मौके पर हैं।

बचाव दल राहत और खोज अभियान में लगे हुए हैं। यह हादसा सुबह थांग्स्कु इलाके में हुआ। पुलिस महानिदेशक ने कहा, अब तक 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। धमाके के समय खदान के अंदर कितने मजदूर थे, यह अभी साफ नहीं है। और लोगों के फंसे होने की आशंका है। धमाके का कारण के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने हादसे पर दुख जताते हुए पीएम नेशनल रिलीफ फंड से हर मृतक के परिवार को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

एक घायल शिलांग रैफर

ईस्ट जैंतिया हिल्स के सक्किविकाश कुमार ने बताया कि एक घायल व्यक्ति को पहले सुतंगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए शिलांग के अस्पताल में रैफर किया गया। पुलिस के मुताबिक विस्फोट कोयला खनन के दौरान हुआ और यह खदान अवैध रूप से चल रही थी।

रैट होल माइनिंग में बहुत संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं

रैट-होल माइनिंग में बहुत संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं, जिनकी ऊंचाई आमतौर पर 3-4 फीट होती है। मजदूर इन्हीं सुरंगों में घुसकर कोयला निकालते हैं। ये सुरंगें इतनी छोटी होती हैं कि उनमें एक समय में केवल एक व्यक्ति ही जा सकता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने साल 2014 में मेघालय में रैट-होल कोयला खनन और अन्य अवैज्ञानिक खनन तरीकों पर रोक लगा दी थी। यह रोक पर्यावरण को होने वाले नुकसान और मजदूरों की सुरक्षा को देखते हुए लगाई गई थी। साथ ही, ऐसे तरीकों से निकाले गए कोयले के अवैध परिवहन पर भी प्रतिबंध लगाया गया था।

नारेबाजी के बाद लोकसभा सोमवार तक स्थगित

केंद्रीय मंत्री बिट्टू बोले- राहुल पीएम की पाठशाला जाएं तो कामयाब होंगे; राहुल ने उन्हें गद्दार कहा था

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

संसद में शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा और नारेबाजी हुई। पहली बार 3 मिनट और दूसरी बार 7 मिनट तक ही कार्यवाही चल सकी। इसके बाद लोकसभा 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा को भी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- उन्हें कल सबने बालक कहा। आज पीएम की पाठशाला थी, जिसमें बच्चों को कामयाब होना बताया गया।

अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे। गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास कर दिया गया। लोकसभा में 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। वहीं राज्यसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद प्रस्ताव पास हुआ था।

देश की समस्याएं नेहरू-गांधी परिवार की देन हैंः निशिकांत

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, 'हम जब 2014 में सरकार में आए तब पारदर्शिता है। लेकिन इस देश के बच्चों को ये नहीं पता कि इस देश में आज जो भी समस्याएं हैं वो नेहरू, गांधी परिवार की देन हैं। जो नेहरू गांधी परिवार ने किया है उसे जानने का अधिकार लोगों को है। इसलिए मैं लाइब्रेरी बनाऊंगा। मैंने देशभर के लोगों से आग्रह किया है कि आपके पास जो किताबें हैं उनकी जानकारी दीजिए, हम वो सब किताबें खरीदेंगे और सब जनता को बताएंगे। वो वन रिसर्च सेंटर होगा।'

एपस्टीन में दावा-लड़कियों को जबरन प्रेग्नेंट कराया

यौन संबंधों के दौरान महिलाओं का गला घोंटा; शव फार्म हाउस में दफनाते थे

राष्ट्रबाण | वॉशिंगटन डीसी | एजेंसी | rashtrabaan.in

जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मामलों में एक बार फिर गंभीर और चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने हाल ही में नई फाइलें जारी कीं, जिनमें नाबालिग लड़कियों और महिलाओं से दरिंदगी का खुलासा हुआ है।

एक फाइल के अनुसार, दो विदेशी महिलाओं की मौत यौन संबंधों के दौरान गला घोंटे जाने से हुई थी। बाद में एपस्टीन के एक कर्मचारी ने इन्हें न्यू मैक्सिको स्थित फार्म हाउस 'जोरो रैंच' में दफना दिया। इसमें एपस्टीन की करीबी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल भी शामिल थी। एक अन्य फाइल के अनुसार, एक नाबालिग लड़की ने खुद को 'ह्यूमन इन्क्यूबेटर', यानी अंडे सहेजने वाली मानव मशीन की तरह इस्तेमाल करने का दावा किया है। ईमेल के अनुसार, जोरो रैंच में लड़कियों को लंबे समय तक बंद रखा गया और उनसे जबरन गर्भधारण कराया गया।

बच्चे पैदा कराए गए और जन्म के बाद ये बच्चे गायब हो गए। एक महिला ने आत्महत्या की कोशिश भी की थी। नई फाइलों में यह बात भी सामने आई है कि एपस्टीन से जुड़े कुछ सौदे पारंपरिक बैंकिंग सिस्टम के बजाय बिटकॉइन जैसे क्रिप्टोकरेंसी माध्यमों से किए जाते थे।

फाइलों से नहीं हटे पीड़ितों के नाम-तस्वीरें, न्याय विभाग ने गलती मानी

इस मामले से जुड़ी जांच फाइलों में न्याय विभाग की ओर से लापरवाही ठीक करने के दावों के बावजूद कई पीड़ितों की जानकारी और तस्वीरें अब भी सार्वजनिक हैं। ऐसी फाइलों में पीड़ितों की पहचान काले निशान लगाकर छिपाई जाती है।

दिल्ली-सड़क पर खुदे गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

वेस्ट दिल्ली के जनकपुरी इलाके में दिल्ली जल बोर्ड की कंस्ट्रक्शन साइट पर खोदे गए 15 फीट गहरे गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। हादसा गुरुवार देर रात को हुआ। मृतक की पहचान कैलाशपुरी निवासी कमल भयानी (25) के रूप में हुई है, जो एक प्राइवेट बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। सुबह करीब 8 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

मणिपुर में नए डिप्टी सीएम के विरोध में हिंसा भड़की

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को बैरक में धकेलने की कोशिश की; टायर जलाए

राष्ट्रबाण | इंफाल | एजेंसी | rashtrabaan.in

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार शाम हिंसा भड़क गई। नए उपमुख्यमंत्रियों नेम्चा किपेन और लोसी दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया।

जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में सैकड़ों युवा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को वापस उनकी बैरक में धकेलने की कोशिश की। जब सुरक्षाबलों ने बात मानने से इनकार कर दिया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सड़क के बीच में टायर जला दिए। आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने कुकी-बहुल चुराचांदपुर में शुक्रवार सुबह 6 से 12 घंटे का बंद बुलाया है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर, गढ़चिरौली में शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर

राष्ट्रबाण | जगदलपुर | एजेंसी | rashtrabaan.in

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया, 1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया।

इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर भामरागड़ के अस्पताल लाया गया। जहां ऑपरेशन के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील क्षेत्र का है। शहीद जवान दीपक को गार्ड ऑफ ऑनर देकर शव गृहग्राम रवाना किया गया है।

दूसरा जवान घायल, स्थिति खतरे से बाहर

इस मुठभेड़ में एक और जवान किष्ट्यापल्ली के रहने वाले जोगा मदवी को भी रात में एक गोली लगी थी। उन्हें भी एयरलिफ्ट करके भामरागड़ लाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है। मुठभेड़ इलाके से तीन माओवादियों के शव (2 पुरुष और एक महिला) बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही एके-47 और एक स्क्राइफल बरामद की गई है।

मोदी बोले- एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें; चर्चा की 5 बड़ी बातें

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाए

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए।

पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं।

पीएम मोदी की चर्चा की बड़ी बातें-

- विकसित भारत को अपना सपना बनाएं पीएम बोले- जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली। अपना सपना बनाएं कि विकसित भारत के लिए मुझे क्या करना है।
- खुद पर भरोसे से भगाएं कोई भी डर स्टूडेंट ने सवाल किया कि प्रेजेंटेशन देते समय मैं घबरा जाता हूं। इस डर को कैसे भगाऊं? पीएम ने कहा- कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है तो कितने आत्मविश्वास से बात करती है। क्या उसने इंटरव्यू की कोई प्रैक्टिस की है? नहीं। उसका आत्मविश्वास आता है सच्चाई है। उसे पता है कि उसने जो देखा वही कहना है। आप भी अपने किए हुए पर भरोसा रखें तो प्रेजेंटेशन का डर भाग जाएगा।
- देश की अमर कहानियों पर गेम बनाओ गोवा के श्रीजीत गाडगिल ने सवाल किया, मेरा गेमिंग में बहुत इंटरेस्ट है। मगर पेरेंट्स नहीं समझते। मैं क्या करूं। पीएम ने जवाब दिया- भारत देश कहानियों से भरा हुआ है। आप खुद के गेम बनाओ। पंचतंत्र की कहानियों पर गेम बनाओ।
- मार्कस-मार्कस की बीमारी से बचो एक स्टूडेंट के सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा- पता नहीं ये मार्क्स- मार्क्स की बीमारी कैसे फैल गई है। आप लोगों को पिछले साल के टॉप 1 से 10 तक के नाम याद हैं क्या?

न्यूज ब्रीफ

मंदिर में मांस से भरी पॉलिथिन फेंकी, पुलिस जांच में जुटी

बल्लारी। कर्नाटक के बल्लारी में अंजनैया स्वामी मंदिर में आज सुबह मांस से भरा बैग मिला। मांस के टुकड़े देखे जाने के बाद लोगों ने पुलिस की घटना की जानकारी दी। मंदिर के पुजारी ने कहा कि मांस किसने फेंका इसकी जानकारी नहीं है।

फेक न्यूज पर रोक के लिए एआई टूल को सरकार ने मंजूरी दी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और भ्रामक कंटेंट पर रोक लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) आधारित सोशल मीडिया एनालिटिक्स सॉल्यूशन (स्रूस्) लागू करने को मंजूरी दी है। इसकी लागत 67.20 करोड़ रुपए है। यह फैसला कर्नाटक सराकर की कैबिनेट बैठक में लिया गया। यह सिस्टम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, वेबसाइट और अन्य डिजिटल माध्यमों की रियल-टाइम निगरानी करेगा।

एक्टर विजय की आईटी के जुर्माने वाली याचिका खारिज की

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने शुक्रवार को टीवीके प्रमुख विजय की एक रिट याचिका खारिज कर दी। इसमें उन्होंने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें 1.50 करोड़ रुपए का जुर्माना देने का निर्देश दिया गया था। टॉप रेटेड स्टार के फाइनेंशियल ईयर 2015-16 के दौरान कमाई गई अतिरिक्त इनकम का खुलासा न करने पर ये जुर्माना लगा था।

पंजाब में आम आदमी पार्टी के नेता की 6 गोलियां मारकर हत्या

जालंधर। पंजाब के सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के नेता सतिंदर पाल सिंह जोगी उर्फ लक्की ओबरॉय की 6 फरवरी की सुबह जालंधर में सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वे 43 साल के थे। स्कूटी पर आए दो युवकों ने उन्हें 6 गोलियां मारीं। इनमें से 5 गोलियां ओबरॉय के सीने और एक सिर में लगी। लक्की ओबरॉय जालंधर के पॉश एरिया, मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे। जैसे ही वे गुरुद्वारे से निकलकर अपनी थार गाड़ी में बैठने लगे तो उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 7 जनवरी 2026

राजधानी राष्ट्रबाण

• बैरसिया • हुजूर • कोलार

आनंद नगर में 146 दुकानें हटाने चली जेसीबी

अयोध्या नगर बायपास बनने के लिए हटाया; 3 मंदिर, शौचालय-चौकी भी हटेगी

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के आनंद नगर तिराहे पर शुक्रवार को कुल 146 दुकानों को हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। सुबह से दोपहर तक अधिकांश दुकानें तोड़ दी गई। 3 मंदिर, शौचालय, पुलिस चौकी और वार्ड ऑफिस को भी हटाने की कार्रवाई होगी। नेशनल हाईवे-146 के आशाराम तिराहा से रत्नागिरी तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबा 6 लेन सड़क का निर्माण हो रहा है। चौड़ीकरण के चलते कई दुकानें भी हटाई जा रही हैं। वहीं, पक्के निर्माण भी तोड़ जा रहे हैं। शुक्रवार को आनंद नगर तिराहे पर ये कार्रवाई हुई।

फ्लाईओवर के चलते दुकानें हटाई

सिक्सलेन निर्माण के दौरान ही आनंद नगर में फ्लाईओवर भी बनेगा। इसके लिए सड़क किनारे की दुकानें हटाई जा रही हैं। ताकि, निर्माण में कोई दिक्कत न हो। कुल 146 दुकानें हटाई जा रही हैं। इनमें से ज्यादातर शुक्रवार को हटा दी गई। शनिवार को तीन मंदिरों की शिफ्टिंग का काम होगा। वहीं, नगर निगम के वार्ड ऑफिस, पुलिस चौकी और शौचालय को भी हटाया जाएगा।

भारी-भरकम अमले के साथ कार्रवाई

गोविंदपुरा एसडीएम भुवन गुप्ता ने बताया कि फ्लाईओवर निर्माण के चलते दुकानें हटाई गई हैं। इसका मुआवजा पहले से वितरित हो चुका है। अन्य निर्माण भी जल्द हटाए जाएंगे। इधर, दुकानें हटाने के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी कुछ दिन पहले यहां पहुंचे थे। उन्होंने आंदोलन करने की चेतावनी दी थी।

जो खुद को राजा माने, वे आर्थिक असमानता की बात करे, यही दिन देखने बाकी रह गए थे?: मोदी

पीएम मोदी का दिग्विजय पर नाम लिए बगैर तंज

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के सीनियर नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह का नाम लिए बगैर राज्यसभा में उन पर तंज कसते हुए कहा है कि जो खुद को राजा माने, वह आर्थिक असमानता की बात करे तब लगता है कि यही दिन देखने को बाकी रह गए थे क्या? पीएम मोदी का यह वक्तव्य अब सोशल मीडिया पर वायरल है, उधर दिग्विजय सिंह ने सदन में वक्तव्य के दौरान इसके पहले मोदी सरकार और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को घेरा था।

पीएम बोले- वे खुद को राजा कहलाने में गर्व करते हैं

राज्य सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संसद का उच्च सदन राज्यों का प्रतिनिधित्व करता है। जो चर्चा देखी, उसे देखकर मन कहता है कि चर्चा का स्तर थोड़ा ऊपर होना चाहिए। इतने साल तक सरकार में रहे हैं तो स्तर ऊंचा होना चाहिए लेकिन उन्होंने ये मौका भी गंवा दिया। मैं कल एक सदस्य को सुन रहा था वे खुद को राजा कहलाने में गर्व करते हैं। आर्थिक असमानता की चर्चा कर रहे थे। बताइये जो खुद को राजा माने और वह आर्थिक असमानता की बात करे तो लगता है कि यही दिन देखने को बाकी रह गए थे क्या? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार शाम यह बात तब कही जब राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे रहे थे। पीएम मोदी के निशाने पर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और कांग्रेस की अगुवाई वाले प्रधानमंत्री थे।

मोदी सरकार के साथ शिवराज को घेरा था दिग्विजय ने

इसके पहले राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मप्र को बासमती चावल पर जीआई टैग न मिलने का मुद्दा गुरुवार को उठाया। अपने वक्तव्य में मोदी सरकार को घेरने के साथ दिग्विजय ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी घेरा था। दिग्विजय ने कहा था कि प्रदेश में हर साल 4 लाख टन बासमती चावल का उत्पादन होता है, जो गुणवत्ता में अन्य राज्यों से बेहतर है। बावजूद इसके जीआई टैग न होने से यह चावल पंजाब जा रहा है, जहां व्यापारी अपना टैग लगाकर मुनाफा कमा रहे हैं। सदन में सिंह ने कहा कि मप्र के किसानों को सोची-समझी साजिश के तहत हक से वंचित किया जा रहा है और इसमें राज्य सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने बताया कि मप्र को 2013 में जीआई टैग मिला था, जिसे 2016 में निरस्त कर दिया गया।

यह है मप्र के बासमती का जीआई टैग का मामला

मप्र में बासमती चावल के जीआई टैग को लेकर विवाद कृषि और खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के बीच 16 सालों से चल रहा है। एपीडा का तर्क है कि बासमती एक विशेष भौगोलिक पहचान है, जो केवल हिमालय के तलहटी वाले भारत-गंगा के मैदानी इलाकों में पैदा होता है। वर्तमान में बासमती का जीआई टैग 7 राज्यों पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्से के पास है। मप्र के सीहोर, नर्मदापुरम, विदिशा, रायसेन, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, जबलपुर और नरसिंहपुर जिले में बासमती चावल होता है।

भोपाल में उपभोक्ता को दिया 1.25 लाख का बिजली बिल

घर के ऊपर से तार निकलने पर बना दिया चालान; मालीखेड़ी में कांग्रेस का प्रदर्शन

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के मालीखेड़ी और शारदा विहार में शुक्रवार को कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। यहां पर लोगों को बिजली कंपनी ने 50 हजार से सवा लाख रुपए तक के बिजली बिल थमा दिए थे। इसका कांग्रेस ने विरोध किया। मालीखेड़ी के चमनलाल ओझा ने बताया, बिजली कंपनी ने 63 हजार 964 रुपए के जुर्माने का चालान बनाया है। उपभोक्ता बाबूलाल साहू ने बताया कि कंपनी ने 1 लाख 25 हजार रुपए के जुर्माने का नोटिस दिया है। जब कंपनी अफसरों से पूछा तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। ऑफिस में जानकारी ली तो पता चला कि घर के ऊपर से तीन-चार लोगों के बिजली के तार जा रहे थे। जिनकी कंपनी ने बिजली काट दी थी। कंपनी ने हमारे ऊपर कार्रवाई कर दी, जो कि गलत है।

कांग्रेस नेता बोले- मजदूरों को भारी-भरकम बिल लिए

कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झूमरवाला ने बताया कि शारदा विहार, मालीखेड़ी में दिहाड़ी मजदूरों पर थोपे गए भारी बिजली बिलों ने कई परिवारों की जिंदगी को संकट में डाल दिया है। सीमित आय में गुजर-बसर करने वाले इन पीड़ित परिवारों के लिए सवा एक लाख रुपए तक के बिल भरना असंभव हो गया है। जिससे उनके सामने आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानी खड़ी हो गई है। मामले की जानकारी मिलते ही समाजसेवी राजेश पाल के साथ कॉलोनी पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी। वहीं, बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर अनुचित बिलों को तत्काल निरस्त करने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। साहू ने कहा कि पीड़ित परिवार अब राहत की उम्मीद में प्रशासन की ओर देख रहे हैं। यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो यह मुद्दा बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है। इस दौरान नरेंद्र सिंह जादौन भी मौजूद थे।

आपकी पत्नी के लिवर में सूजन, क्यूआर पर 5 हजार भेजो

भोपाल के हमीदिया में डॉक्टर बनकर ठगी; परिजनों से लिए 7 से 10 हजार रुपए

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के हमीदिया अस्पताल से मरीजों और उनके परिजनों को ठगने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भर्ती मरीजों को फोन कर खुद को डॉक्टर बताने वाला एक ठग बीते 45 दिनों से लगातार ठगी को अंजाम दे रहा था। बेहतर इलाज और ऑपरेशन का झांसा देकर वह मरीजों से 7 से 10 हजार रुपए तक की वसूली करता था। साइबर क्राइम और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हमीदिया अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, अब तक आरोपी 10 मरीजों और उनके परिजनों को अपना शिकार बना चुका था। आरोपी मरीजों को ऑपरेशन से पहले फोन करता था और कहता था कि यदि और सुरक्षित ऑपरेशन चाहते हैं, तो तय रकम तुरंत ऑनलाइन ट्रांसफर करनी होगी। भरोसे में आकर कई परिजनों ने रकम ट्रांसफर कर दी, जिसके बाद आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया।

शिकायत से खुला ठगी का खेल

हमीदिया अस्पताल के सिक्योरिटी इंचार्ज जयंत भारद्वाज ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले एक मरीज ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन से ठगी की शिकायत की थी। इसके अगले ही दिन एक अन्य मरीज के परिजन भी शिकायत लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि डॉक्टर बनकर फोन आया था और बेहतर इलाज के नाम पर 10 हजार रुपए ट्रांसफर करवाए गए, लेकिन इसके बाद कॉल रिसीव नहीं किया गया। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लिया। जांच में सामने आया कि जनवरी माह से अब तक करीब 10 मरीजों को इसी तरह ठगा जा चुका है। इसके बाद पूरे मामले की सूचना साइबर क्राइम और क्राइम ब्रांच को दी गई।

पति ने सुनाई अपनी आपबीती

पीड़ित विनोद अहिरवार की पत्नी हमीदिया अस्पताल में बीते एक सप्ताह से भर्ती हैं। उनको एक कॉल आया जिसमें ठग ने खुद को हमीदिया अस्पताल का डॉ. अरनव बताया। उसने विनोद से कहा कि आपकी पत्नी के लिवर में सूजन है, जिसकी कुछ दवाएं बाहर से आएंगी। इसके लिए 5 हजार रुपए क्यूआर कोड पर भेज दीजिए। थोड़ी देर बाद जब कॉल कर के दवा की जानकारी मांगनी चाही तो नंबर ब्लॉक कर दिया था।

अधीक्षक ने बनाई ठग को पकड़ने की रणनीति

आरोपी तक पहुंचने के लिए अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन ने एक रणनीति बनाई। पीड़ित मरीज के जरिए ठग को संपर्क करने के लिए लालच दिया गया। जैसे ही आरोपी ने कॉल और पैसे को लेकर बातचीत शुरू की, उसकी जानकारी तुरंत क्राइम ब्रांच को दी गई। इसके बाद आरोपी के मोबाइल नंबर को ट्रैक पर लिया गया।

स्टाफ की मिलीभगत से चल रहा था पूरा नेटवर्क

आरोपी जितेंद्र खाकरे (36) के बैतूल का रहने वाला है। जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि यह पूरा ठगी का नेटवर्क अस्पताल के कुछ स्टाफ की मिलीभगत से चल रहा था। अस्पताल की सिक्योरिटी एजेंसी के अनुसार, कुछ स्टाफ सदस्य आरोपी को मरीजों की जानकारी उपलब्ध कराते थे। जिसमें मरीज का नाम, उसकी मेडिकल कंडीशन, कब ऑपरेशन होना है, इलाज में किन सामान की जरूरत है, ऐसी सभी जानकारी ठग को मिल जाती थी। जिसके जरिए वो मरीज को डॉक्टर बन कॉल करता और पूरी जानकारी साझा कर उनका भरोसा जीत लेता था। इस जाल में फंस कर परेशान मरीज पैसे ट्रांसफर कर देते और ठगी का शिकार हो जाते। आरोपी मरीजों से बेहतर इलाज के नाम पर 5 से 7 हजार रुपए और अच्छे ऑपरेशन का भरोसा दिलाकर 10 हजार रुपए तक की मांग करता था। मरीजों को यह भरोसा दिलाया जाता था कि रकम देने से इलाज में कोई लापरवाही नहीं होगी। सिक्योरिटी एजेंसी के अनुसार, जैसे ही आरोपी की जानकारी साइबर क्राइम को दी गई, बीते तीन दिनों से उसके मोबाइल नंबर की लगातार ट्रेसिंग की जा रही थी। गुरुवार शाम आरोपी की लोकेशन इंदौर में मिली, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया।

भोपाल निगम कमिश्नर पर अवमानना कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक

डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर लगाया स्टे, अगली सुनवाई 18 फरवरी को

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें उन्हें कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट का दोषी माना गया था। दरअसल, हाईकोर्ट में जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच ने भोपाल नगर निगम को अवैध निर्माण गिराने के मामले में दोषी ठहराया था। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई गाइडलाइन का पालन नहीं किया, जो कानून के राज के खिलाफ माना गया। यह आदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने मार्लिन बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड बनाम नगर निगम भोपाल मामले में गुरुवार को दिया था। सिंगल बेंच ने आयुक्त संस्कृति जैन को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराते हुए 6 फरवरी 2026 को सजा सुनाने के लिए सुनवाई तय की थी। भोपाल नगर निगम ने सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में मामला उठाया। शुक्रवार को हुई सुनवाई में बेंच ने पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा और अगली सुनवाई 18 फरवरी को तय की।

डबल बेंच ने इन तथ्यों पर दिया फैसला

डबल बेंच ने प्रथम दृष्टया यह अहम तथ्य स्वीकार किया कि जिन सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का हवाला देकर एकल पीठ द्वारा अवमानना का आदेश पारित किया गया था, वे 'टार्गेटेड क्रिमिनल मामलों' से संबंधित हैं और किसी बिल्डर या डेवलपर से जुड़े प्रशासनिक मामलों पर लागू नहीं होते। सुनवाई के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि बिल्डर से जुड़े मामलों में कार्रवाई नगर निगम अधिनियम एवं नगर पालिका अधिनियम, 1956 के तहत ही की जाती है। इसके साथ ही डबल बेंच के समक्ष यह तथ्य भी रखा गया कि सुप्रीम कोर्ट के जिन निर्देशों का उल्लेख एकल पीठ के आदेश में किया गया है, वे इस प्रकरण में लागू नहीं होते और ऐसे निर्देशों से जुड़ी अवमानना पर निर्णय लेना एकल पीठ के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने एकल पीठ द्वारा पारित अवमानना आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है।

करण सिंह बोले-यह योजना बहनों के सम्मान से जुड़ी, इसे कोई भी समाप्त नहीं कर सकता

लाडली बहनों का नाम काटने के बयान से पलटे मंत्री

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

लाडली बहनों का नाम काटे जाने के विवादास्पद बयान पर किरकिरी के बाद राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व पर बहनों को सम्मानपूर्वक सहायता प्रदान की जाती है। यह योजना बहनों के सम्मान से जुड़ी है और इसे कोई भी समाप्त नहीं कर सकता। मैंने पहले भी और बाद में भी बहनों के सम्मान में उन्हें प्रणाम करते हुए अपनी बात रखी थी। अगर मेरे किसी बयान से ठेस पहुंची हो तो मैं खेद प्रकट करता हूं। मंत्री वर्मा ने आज जारी बयान में कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से मुझे जानकारी मिली है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धामंदा में आयोजित मेरे कार्यक्रम में मेरे द्वारा कहे गए शब्दों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में मैंने उपस्थित सभी बहनों एवं नागरिकों को सम्मानपूर्वक प्रणाम किया था। वर्मा ने कहा कि अपने संबोधन में मैंने स्व-सहायता समूहों और महिला सशक्तिकरण से जुड़े सभी कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया था। मेरा कहना था कि इन योजनाओं का उद्देश्य बहनों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें निरंतर सहयोग देना है। मैंने यह भी कहा था कि मध्यप्रदेश में बहनों को मिलने वाली आर्थिक सहायता आगे भी मिलती रहेगी।

वायरल वीडियो में यह वक्तव्य दे रहे मंत्री वर्मा

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का जो बयान वायरल हो रहा है। वह सीहोर जिले के नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम का बताया जा रहा है। इसमें वे कह रहे हैं कि ग्राम धामंदा में 894 लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की राशि दी जा रही है, इसके बावजूद सरकारी कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति बेहद कम रहती है। मंत्री ने मंच से कहा कि वे सीईओ से बात कर एक दिन सभी लाड़ली बहनों को बुलाएंगे। यदि उस दिन भी वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं, तो उनकी रिपोर्ट भिजवाकर योजना से नाम कटवाने की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि कांग्रेस शासनकाल में महिलाओं को इस तरह की कोई आर्थिक सहायता मिलती थी या नहीं।

सप्लाई के शुरुआती 25 मिनट निकला काला पानी

भोपाल की जनता कॉलोनी में कांग्रेसियों ने पानी की जांच की; टीडीएस मीटर लेकर पहुंचे

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 30 से ज्यादा मौतें हो गईं। इसके बाद भोपाल में जल सुनवाई, टेस्टिंग और लाइन सुधारने का काम शुरू हुआ। बावजूद न तो पानी की क्वॉलिटी सुधरी और न ही सीवेज में से पानी की लाइन हट पाई है। इसके चलते शुक्रवार को जोन नंबर-17 में पीने के पानी की लाइन में गंदी बदबू और काला पानी आने की शिकायत मिलने पर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला पहुंचे। कांग्रेस टीडीएस (टोटल डिसोल्व सालिड्स) मीटर लेकर भी पहुंचे। ताकि, पानी की गुणवत्ता जांची जा

जनता कॉलोनी में स्थिति गंभीर मिली

जनता कॉलोनी में कांग्रेसियों ने पाया कि घरों में नगर निगम के वाटर सप्लाई में जरूरत से ज्यादा टीडीएस है। स्थानीय लोगों की गंदे पानी की शिकायत और नगर निगम की जल सुनवाई में मामले का निराकरण नहीं होने के बाद कांग्रेस नेता शुक्ला ने मौके पर पहुंचकर जल का परीक्षण किया। टीडीएस मीटर से लोगों के घरों में सप्लाई होने वाले पानी की जांच की गई। जिसमें टीडीएस लेवल 200 से 300 के बीच निकला। शुक्ला ने बताया, हाई टीडीएस क्वॉलिटी वाला पानी पीने से जनता कॉलोनी के लोगों की सेहत खराब हो रही है। किडनी लीवर में स्टोन डेवलप हो रहा है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 7 फरवरी 2026

शहडोल राष्ट्रबाण

• ब्यौहारी • जयसिंघनगर • सोहागपुर • गोहपारु • बुढार • जैतपुर

एफसीआई रोड की शराब दुकान में देर रात तक अवैध बिक्री का वीडियो वायरल

स्थानीय लोग नाराज, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की दरकार

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

एफसीआई रोड स्थित कंपोजिट शराब दुकान में नियमों की अवहेलना करते हुए देर रात तक शराब की बिक्री करने का वीडियो सोशल मीडिया पर शुक्रवार को वायरल हो गया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दुकान निर्धारित समय समाप्त होने के बावजूद शराब बेचती रही और ग्राहकों से सामान्य दर से अधिक शुल्क वसूल किया गया। स्थानीय लोग और उपभोक्ता इस घटना को लेकर गहरी नाराजगी जता रहे हैं। उनका कहना है कि यह ठेकेदार का नया कारनामा नहीं है, बल्कि पहले भी वह पैकारी और स्टॉक के मामलों में विवादों में रह चुका है। ऐसे में जनता और प्रशासन दोनों ही इस घटना को गंभीरता से देख रहे हैं।

वायरल वीडियो ने बढ़ाई नाराजगी

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि दुकान का संचालन निर्धारित समय से कई घंटे आगे तक चला। वीडियो में दुकान पर ग्राहकों को खुलेआम शराब की बिक्री सामान्य दर से अधिक मूल्य पर की जा रही है।इस वायरल वीडियो ने प्रशासन और स्थानीय लोगों में गुस्सा और चिंता दोनों बढ़ा दी है।

स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया

स्थानीय लोगों ने कहा कि शराब की अवैध बिक्री और अत्यधिक शुल्क वसूली न सिर्फ नियमों के खिलाफ है, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए भी हानिकारक है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसे मामलों की रोकथाम करने की मांग की है।

ठेकेदार की पुरानी विवादित गतिविधियां

जानकारों की माने तो शराब ठेकेदार पहले भी कई बार नियमों के उल्लंघन में चर्चा में आ चुका है। उसके खिलाफ शिकायतें हो चुकी हैं, जिनमें पैकारी और स्टॉक से संबंधित अनियमितताएं शामिल रही हैं। ऐसे में यह नया वीडियो न सिर्फ प्रशासन के लिए बल्कि आम जनता के लिए भी चिंता का विषय बन गया है।

प्रशासन की चेतावनी और संभावित कार्रवाई

प्रशासन ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की संभावना जताई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा के बाद किसी भी तरह की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एफसीआई रोड के शराब ठेकों की निगरानी और नियम पालन की सख्ती पर यह घटना नए सवाल खड़े कर रही है। प्रशासन की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि इस ठेकेदार के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसे उल्लंघनों को रोकने के लिए कौन से कदम उठाए जाएंगे।

शहर में सट्टा कारोबार का फिर से तांडव, चंदू-मंजा बन रहे माफिया

युवा लत में फंस रहे, पुलिस पर सवाल उठने लगे

शहडोल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

नगर में अवैध सट्टा कारोबार एक बार फिर तेजी से फैल रहा है और इसे रोकना स्थानीय प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। सट्टे के इस अंक खेल ने युवा पीढ़ी को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। युवा कम समय में बड़ी रकम कमाने का लालच लेकर इस दलदल में फंस रहे हैं जबकि कई परिवार आर्थिक संकट झेल रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि सट्टा माफियाओं की कमाई दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, जबकि पुलिस की पकड़ ढीली पड़ती जा रही है।

चंदू और मंजा के ठिकानों पर कारोबार

सूत्रों की मानें तो कोतवाली थाना क्षेत्र में चंदू और मंजा अपने ठिकानों पर खुलेआम सट्टा चला रहे हैं। मंजा का संचालन मुख्य रूप से इतवारी मोहल्ला में है जबकि चंदू शुभम पैलेस के पास सक्रिय है। इसके अलावा पुराने सटोरिये मोबाइल और डिजिटल नेटवर्क के जरिए चोरी-छिपे कारोबार जारी रखे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये माफिया युवा खिलाड़ियों को मोटे लालच देकर फंसाते हैं लेकिन असल में अधिकांश का पैसा सीधे माफियाओं की जेब में चला जाता है।

पुलिस पर बढ़ते सवाल

पूर्व में पुलिस ने सट्टे के नेटवर्क पर सख्ती दिखा कर इसे रोकने की कोशिश की थी। लेकिन अब हालात बदल गए हैं और कार्रवाई में ढील नजर आ रही है। समय रहते यदि बड़े माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए गए तो केवल छोटे एजेंट ही बलि का बकरा बने रहेंगे। यह मामला शहर के सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है और प्रशासन की निगरानी एवं रणनीति को चुनौती दे रहा है।

जीरो से नौ तक का खेल और बढ़ती दरारें

सट्टा का यह खेल जीरो से नौ तक चलता है। एक ही नंबर आने पर बाकी सभी की राशि माफियाओं को चली जाती है। युवाओं को दस के बदले अस्सी मिलने का लालच दिया जाता है लेकिन वास्तविकता में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। यह खेल अब न केवल शहर तक सीमित है बल्कि बुढ़ार और धनपुरी तक फैल चुका है।

भविष्य हो रहा अंधकारमय

सट्टे के चंगुल में फंसे युवाओं का भविष्य गंभीर संकट में है। कई युवा अपनी कमाई की लालसा में पूरी जिंदगी खतरे में डाल चुके हैं। आत्महत्या जैसे घातक कदम भी इस अवैध कारोबार का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

विधायक ने तैयारियों का लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

शहडोल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 8 फरवरी को जयसिंहनगर के ग्राम गांधिया में प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए विधायक शरद कोल ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा करना था। इस अवसर पर विधायक शरद कोल ने अधिकारियों को कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जनसंपर्क और आयोजन की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी होनी चाहिए, ताकि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो।
बैठक में शामिल अधिकारी

बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, सीईओ जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने तैयारियों की वर्तमान स्थिति और संभावित चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

निर्देश और कार्य योजना

विधायक ने अधिकारियों से कहा कि सुरक्षा, स्वागत, पार्किंग व्यवस्था, बिजली-पानी की सुविधा और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए समयबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया गया। जिला प्रशासन और जनपद पंचायत की संयुक्त टीम कार्यक्रम की सफल संचालन हेतु समन्वय बनाए रखने के लिए सक्रिय रहेगी।

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त हुए 15654 आवेदन, 13929 आवेदनों का किया गया निराकरण

शहडोल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया गया है। अभियान का प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दल गठित कर जन सामान्य से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत अभी तक जिले में 15636 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जनपद पंचायत ब्यौहारी में 1393 आवेदन, जयसिंहनगर जनपद में 3711 आवेदन, गोहपारू जनपद पंचायत में 2472 आवेदन, बुढ़ार जनपद पंचायत में 1510 आवेदन, सोहागपुर जनपद पंचायत में 2472 आवेदन, ब्यौहारी नगर परिषद में 859 आवेदन, धनपुरी नगरपालिका में 1558 आवेदन, खांड़ नगर परिषद में 115 आवेदन तथा बकहो नगर परिषद में 547 आवेदन, बुढ़ार नगर परिषद में 100 आवेदन, शहडोल नगर पालिका में 1778, जयसिंहनगर नगर परिषद में 72 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आपने अभियान के संचालन हेतु गठित दलों का भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित कर प्रभावी रूप से घर-घर संपर्क कर आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं तथा संबंधित निकायों के अधिकारियों को दैनिक रूप से मानीटरिंग करने को कहा। प्राप्त आवेदनों में से जनपद पंचायत जयसिंहनगर में 3711, जनपद पंचायत सोहागपुर में 1776, आवेदनों का, जनपद पंचायत गोहपारू में 1169 आवेदन, जनपद पंचायत ब्यौहारी में 1388, जनपद पंचायत बुढ़ार में 1509 आवेदनो का तथा नगरपालिका शहडोल में 1454 आवेदन, धनपुरी नगरपालिका में 962 आवेदन तथा नगर परिषद ब्यौहारी में 859, बकहो नगर परिषद में 429, नगर परिषद जयसिंहनगर में 53, नगर परिषद बुढ़ार में 95, आवेदनो का निराकरण किया जा चुका है।

कमिश्नर ने लालपुर हेलीपैड का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 8 फरवरी को प्रस्तावित कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने लालपुर हेलीपैड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हेलीपैड के रख-रखाव, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएँ समय पर सुनिश्चित की जाएँ। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग भी मौजूद रहीं।कमिश्नर ने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सभी सुरक्षा मानकों और सुविधाओं की समीक्षा पूरी तरह से कर ली जाए ताकि कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो।

बालिका संप्रेक्षण गृह और शिवालय शिशु गृह का त्रैमासिक निरीक्षण

शहडोल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 54 के तहत गठित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति ने शासकीय बालिका संप्रेक्षण गृह और अशासकीय शिवालय शिशु गृह का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्थाओं में निवासरत बच्चों को शासन द्वारा निर्धारित मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा की स्थिति की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण समिति ने संस्थाओं में बच्चों के बेहतर विकास और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष एवं अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सदस्य अभिषेक चौकसे, श्रीमती राखी शर्मा, श्रीमती पुष्पा द्विवेदी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी अखिलेश मिश्रा, सहायक संचालक महिला बाल विकास श्रीमती संजीता भगत उपस्थित रहे।

अनारक्षित वर्ग ने यूजीसी रेगुलेशन 2026 का किया जोरदार विरोध

शहडोल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

शहर के अनारक्षित (सवर्ण) वर्ग के समाजसेवियों, शिक्षाविदों और नागरिकों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु विनियम, 2026 का कड़ा विरोध किया। सर्व समाज समन्वय समिति के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में भारी संख्या में डॉक्टर, वकील, शिक्षक और समाजसेवी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर को सौंपते हुए यूजीसी काला कानून वापस लो के नारे लगाए। उनका कहना है कि यह नियम अनारक्षित वर्ग के छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ भेदभाव और असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है। यूजीसी द्वारा जनवरी 2026 में अधिसूचित यह विनियम उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने, इक्विटी कमेटियां बनाने और शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने पर केंद्रित है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इसके कुछ प्रावधान अस्पष्ट और एकतरफा हैं, जो समाज में विभाजन और सामान्य वर्ग के लोगों में भय का माहौल बना सकते हैं। इस विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में देशभर में कई शहरों में इसी तरह के विरोध चल रहे हैं, जिनमें लखनऊ, दिल्ली और जबलपुर शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2026 के अंत में इस नियम पर रोक लगा दी है और केंद्र सरकार को नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रदर्शन अनारक्षित वर्ग की एकजुटता और उच्च शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता का प्रतीक है, जिसमें समाज के सभी वर्गों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है।

कमिश्नर ने ग्राम गांधिया का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री करेंगे शबरी माता की प्रतिमा का अनावरण

शहडोल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शबरी जयंती के अवसर पर 8 फरवरी को प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए कमिश्नर शहडोल संभाग, श्रीमती सुरभि गुप्ता और कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गांधिया में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर की सफाई और रंगाई-पुताई की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में शबरी माता की प्रतिमा का अनावरण और हितग्राहियों को लाभ वितरण जैसे अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, और सभी तैयारियों को समय पर पूरा किया जाए। निरीक्षण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।कमिश्नर और कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएँ सुचारू और सुरक्षित ढंग से हों, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो।

लोक अदालत से निपटेंगे राजीनामा योग्य मामले, मिलेगा त्वरित न्याय

शहडोल| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार और माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल श्री के.एन. सिंह के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम जिला न्यायालय शहडोल तथा सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार और जयसिंहनगर में एक साथ संपन्न होगा। जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते ने बताया कि इस लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल मामले, चेक बाउन्स प्रकरण, पारिवारिक और वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, बैंक और वित्तीय संस्थानों के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि लोक अदालत के माध्यम से निपटाए गए मामलों में संपूर्ण कोर्ट फीस की वापसी की जाएगी और विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा नगरपालिका के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों और विद्युत प्रकरणों में भी नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी।

लोक अदालत की अहमियत

नेशनल लोक अदालत का आयोजन मुख्य रूप से जनता को त्वरित, सरल और सस्ता न्याय उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है। इससे लंबित मामलों में तेजी आती है और नागरिकों को अपने विवादों का समाधान कम समय में मिल पाता है। जिला विधिक सहायता अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि जो भी विवाद लंबित है और जो मामले राजीनामा योग्य हैं, वे निश्चित रूप से इस अवसर का लाभ उठाएं ताकि न्याय प्रक्रिया सरल और शीघ्र हो सके।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 7 फरवरी 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

सड़क की मांग पर ग्रामीणों का चक्काजाम

कहा-75 साल से उपयोग में है रतेड़ा-लादी-सारणी मार्ग, अब तक नहीं बना पक्का रास्ता

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल जिले के आमला ब्लॉक के रतेड़ा गांव में शुक्रवार को ग्रामीणों ने रतेड़ा-लादी-सारणी मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग पिछले करीब 75 वर्षों से उपयोग में है, लेकिन अब तक इसके पक्के निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधि चुनाव के समय केवल भूमिपूजन कर औपचारिकता निभाते हैं और वोट बैंक की राजनीति करते हैं, जबकि सड़क निर्माण का कार्य आज तक शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क के बनने से करीब दो दर्जन गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। यह मार्ग कम लागत में और बिना किसी घाट सेक्शन के तैयार किया जा सकता है, जिससे सारणी-दमुआ मार्ग पर यातायात का दबाव भी कम होगा।

एक घंटे तक चला आंदोलन

शुक्रवार को ग्रामीणों ने आमला-सारणी मार्ग पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक चले आंदोलन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश पर ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि अगले पांच दिनों के भीतर सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस आंदोलन का नेतृत्व समाजसेवी जितेंद्र शर्मा, सरपंच अर्जुन उइके, राजू शीलू, दुर्गेश यादव और मनीराम कुमरे ने किया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जन्मदिन पर विद्यार्थियों को दी शैक्षणिक सामग्री

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

शिवसेना नगर महिला अध्यक्ष ऊषा अतुलकर ने अपने जन्मदिन को सेवा और सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए शासकीय प्राथमिक शाला रामनगर, बैतूल वार्ड - जाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक 25 के विद्यार्थियों के बीच पाठ्य सामग्री, कॉपी, पेन और पेंसिल का वितरण किया।

कार्यक्रम में ऊषा अतुलकर ने कहा कि बच्चों की शिक्षा ही समाज का भविष्य तय करती है और उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर सुधा खण्डारे, मीना उइके, गीता सेन्द्रे, ईमला अमझरे, रश्मि उइके, सीया गुप्ता, मुन्नी किरोदे, छोटी माहोरे, शकुन अमझरे, साक्षी अमझरे, किरण अमझरे, साहिस्ता बानो, दुर्गा किरोदे, पुष्पा हिवरखेडे, ऊवा अतुलकर, रेखा शेल्के एवं सावित्री माहोरे की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी महिलाओं ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

महिला पुलिसकर्मी के खिलाफ बंदूक की नोंक पर मारपीट

लिव-इन पार्टनर को जबरन ले जाने का आरोप

- लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक ने एसपी से की शिकायत
- पुणे से बैतूल लाने, होटल और चौकी में मारपीट के आरोप

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

मुलताई थाना क्षेत्र के ग्राम खल्ला निवासी 21 वर्षीय युवक चिनू पंडोले ने एसपी को एक लिखित आवेदन देकर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवक ने अपने आवेदन में कहा है कि वह पिछले कुछ समय से अपनी सहमति से एक युवती के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था और दोनों 5 फरवरी को कोर्ट मैरिज करने वाले थे।

आवेदन के अनुसार युवक पुणे, महाराष्ट्र में किराए के मकान में रहकर निजी कंपनी में काम कर रहा था। इसी दौरान युवती की रिश्तेदार बताई जा रही एक महिला पुलिस अधिकारी अन्य लोगों के साथ पुणे पहुंची और जबरन युवक और युवती को बैतूल लाने का आरोप लगाया गया है। युवक का दावा है कि इस दौरान उसके साथ मारपीट की गई और उसे धमकाया गया। युवक ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि बैतूल लाने के बाद उसे एक होटल और फिर पुलिस चौकी ले जाया गया, जहां भी उसके साथ मारपीट होने का आरोप है। युवक का कहना है कि उस पर दबाव बनाकर कथित रूप से कुछ लिखवाया और वीडियो बनवाया गया। आवेदन में जातिगत गालियां देने, जान से मारने की धमकी और परिवार के सदस्यों को डराने के आरोप भी लगाए गए हैं।

युवक ने यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद से वह और उसका परिवार भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं और जब शिकायत करने चौकी पहुंचे तो उनकी सुनवाई नहीं की गई। आवेदन में कॉल रिकॉर्डिंग, लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्य होने का दावा किया गया है।

मामले में युवक ने एसपी से निष्पक्ष जांच कराने, सीसीटीवी फुटेज देखने, संबंधित लोगों की भूमिका की जांच करने और स्वयं व परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

ट्रांसफार्मर के नाम पर आदिवासी किसानों से धोखाधड़ी, जयस ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

भीमपुर के आदिवासी किसानों की फसल सूखने की कगार पर, ठेकेदार पर गंभीर आरोप

विद्युत ठेकेदार की लापरवाही से किसानों की बिजली कटी, जयस ने कार्रवाई की मांग की

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर ठेकेदार द्वारा शुल्क वसूलने के बावजूद विद्युत विभाग को हैंडओवर नहीं किए जाने से भीमपुर विकासखण्ड के ग्राम खैरा, नहरपुर और बालु के आदिवासी किसानों की बिजली काट दी गई, जिससे सिंचाई ठप होने के कारण फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई और मामले को लेकर जय आदिवासी युवा शक्ति ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस मामले में जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संयोजक जामवंत सिंह कुमरे के निर्देश पर जयस युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सोनू धुर्वे के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें विद्युत ठेकेदार द्वारा आदिवासी किसानों के साथ की गई धोखाधड़ी की शिकायत की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम खैरा, नहरपुर, बालु, विकासखण्ड भीमपुर के गरीब आदिवासी किसान कान्स वल्द जुमला बारस्कर, लाखाजी पिता बुद्ध बारस्कर सहित अन्य किसानो ने विद्युत ठेकेदार राजेन्द्र कौशल निवासी हरदा को खेतों में विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने का ठेका दिया था। ठेकेदार द्वारा कुल चार ट्रांसफार्मर लगाए गए। साथ ही ट्रांसफार्मर को विद्युत विभाग को हैंडओवर करने की बात तय हुई थी, जिसके लिए ठेकेदार द्वारा मांगा गया शुल्क किसानों ने पहले ही अदा कर दिया।

आरोप है कि शुल्क लेने के बावजूद ठेकेदार राजेन्द्र कौशल ने ट्रांसफार्मर विद्युत विभाग को हैंडओवर नहीं किए। इसके चलते विद्युत विभाग के अधिकारियों ने खेतों में लगे ट्रांसफार्मरों की बिजली काट दी। बिजली बंद होने से किसानों की सिंचाई पूरी तरह रुक गई है और फसलें सूखने की स्थिति में पहुंच गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विद्युत विभाग द्वारा ठेकेदार के विरुद्ध मोहदा थाना में एफआईआर दर्ज कराने हेतु पत्र जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

ये रहे उपस्थित

जयस ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि ठेकेदार राजेन्द्र कौशल से तत्काल ट्रांसफार्मर विद्युत विभाग को हैंडओवर कराए जाएं तथा मासूम और अशिक्षित आदिवासी किसानों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में ठेकेदार के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इस दौरान जयस युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सोनू धुर्वे के साथ मांगीलाल बारस्कर खेड़ा, बाबूलाल बारस्कर, गोविंद यादव, शंकरलाल अखंड, दादू अखंडे, हीरालाल बारस्कर, कालिया बारस्कर, लखी बारस्कर, सुंदरलाल, मिश्रीलाल, बाबूलाल बारस्कर, कामसू बारस्कर, विश्राम, भूता, आशाराम, अमरलाल, निर्मल अखंडे, मुन्ना सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

एमपी राज्य हज कमेटी ने हज यात्रियों के प्रशिक्षण एवं टीकाकरण की जिम्मेदारी शारिक खान को सौंपी

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी द्वारा हज 2026 के अंतर्गत बैतूल जिले से जाने वाले हज यात्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं टीकाकरण व्यवस्था के लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शारिक खान का पुनः चयन किया गया है।

एमपी राज्य हज कमेटी, भोपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार शारिक खान को बैतूल जिले में हज यात्रियों को हज से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण दिलाने, टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अंतर्गत हज यात्रियों को यात्रा, इबादत, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक जानकारियां दी जाएंगी।

शारिक खान ने इस अवसर पर एमपी राज्य हज कमेटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बैतूल जिले के सभी हज यात्रियों को बेहतर, सुव्यवस्थित और समयबद्ध प्रशिक्षण एवं टीकाकरण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष हज यात्रियों को पहले से अधिक बेहतर व्यवस्थाएं मिलेंगी।

बैतूल में बोर्ड परीक्षा की तैयारियां पूरी, प्रश्नपत्र वितरण शुरू

:127 केंद्रों पर 34 हजार स्टूडेंट्स बैठेंगे ; इनमें 11 संवेदनशील केंद्र

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा को लेकर बैतूल जिले में तैयारियां पूरी हो गई हैं। शुक्रवार से प्रश्नपत्रों और गोपनीय सामग्री के वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

प्रभारी डीईओ भूपेंद्र वरकड़े ने बताया कि आज बोर्ड के निर्देशानुसार जिले के ग्रामीण अंचलों के परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्नपत्रों का वितरण उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल से किया गया। कुल 102 परीक्षा केंद्रों के लिए यह सामग्री भेजी गई है, जबकि शहरी क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों के लिए सामग्री का वितरण शनिवार को किया जाएगा। जिले में इस बार बोर्ड परीक्षा 127 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इनमें 7 संवेदनशील और 4 अति संवेदनशील केंद्र शामिल हैं। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए 23 थाना क्षेत्रों को संकलन केंद्र बनाया गया है।

10 फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष अपने-अपने प्रश्नपत्र संबंधित पुलिस थानों से प्राप्त करेंगे। बोर्ड परीक्षा का आयोजन 10 फरवरी से प्रारंभ होगा। 10 फरवरी से हायर सेकेंडरी परीक्षा और 17 फरवरी से हाईस्कूल परीक्षा शुरू होगी।

इस वर्ष जिले में कुल 34 हजार 278 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें कक्षा 10वीं के 18 हजार 821 नियमित और 913 स्वाध्यायी, जबकि कक्षा 12वीं के 13 हजार 250 नियमित और 1 हजार 294 स्वाध्यायी विद्यार्थी शामिल हैं।प्रश्नपत्रों के वितरण के साथ ही परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परीक्षा की तिथियों में पुलिस प्रशासन और शिक्षा विभाग की संयुक्त निगरानी में सभी केंद्रों तक प्रश्नपत्र सुरक्षित रूप से पहुंचाए जाएंगे।

बैतूल में किराना दुकान के पास चाकूबाजी

पुराने विवाद में वार कर घायल किया ; भोपाल रेफर

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र के तिलक वार्ड चौक स्थित एक किराना दुकान के पास शुक्रवार दोपहर बाद शेख इमरान (40), पिता मोहम्मद इकबाल, निवासी तिलक वार्ड, पर तीन लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में इमरान चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों और घायल के बीच पुराना विवाद चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान आरोपियों ने शेख इमरान के पेट में चाकू मार दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, इमरान की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

50 कलाकारों के साथ भारत धमाल ग्रुप की संगीतमय प्रस्तुति बनेगी आकर्षण

8 दुल दुल घोड़ी और मयूर नृत्य बढ़ाएंगे शिव बारात की भव्यता

बैतूल से लेकर बड़े शहरों तक पहचान बना चुके दल होंगे शामिल

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

15 फरवरी को निकलने वाली देवाधिदेव भोलेनाथ की दिव्य शिव बारात इस बार और भी भव्य और आकर्षक रूप में नजर आएगी। श्री शंभू भोले सेवा उत्सव समिति के सदस्य बिट्टू ठाकुर ने बताया कि जबलपुर की प्रसिद्ध 8 दुल दुल घोड़ी और मनमोहक मयूर नृत्य की प्रस्तुति शिव बारात में विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। यह दल

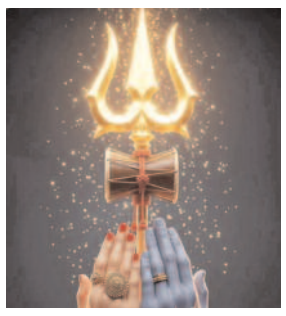

राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है और विभिन्न मंचों पर अपनी प्रस्तुति से ख्याति अर्जित कर चुका है।

बिट्टू ठाकुर ने बताया कि पारंपरिक साज-सज्जा और कलात्मक प्रस्तुति के साथ 8 दुल दुल घोड़ी दल शिव बारात में शामिल होगा। इसके साथ मयूर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगी। समिति का मानना है कि इस प्रस्तुति से बारात का धार्मिक उल्लास और भी बढ़ेगा।

- भारत धमाल ग्रुप के 50 कलाकार देंगे भजनों की संगीतमय प्रस्तुति

समिति के अनुसार बैतूल का प्रसिद्ध भारत धमाल ग्रुप अपने 50 साथियों के साथ धार्मिक भजनों की संगीतमय प्रस्तुतियां देगा। यह ग्रुप अजमेर, इंदौर, गोंदिया और नागपुर जैसे बड़े शहरों में अपनी प्रस्तुतियों से पहचान बना चुका है और अब शिव बारात में भक्ति संगीत की विशेष छटा बिखेरेगा।

जय सेवा डंडार मण्डल मरकढ़ाना निभाएगा आदिवासी संस्कृति का दायित्व

समिति के निक्की ठाकुर ने बताया कि जय सेवा डंडार मण्डल मरकढ़ाना तहसील घोड़ाडोंगरी एक आदिवासी लोकनृत्य मंडल है। यह मंडल हरियाली अमावस्या यानी जिरौती त्यौहार के आसपास अपने नृत्य की शुरुआत करता था और दीपावली तक इसे संपन्न करता था, लेकिन अब आदिवासी परंपरा को मजबूती देने और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जिले की लगभग सभी तहसीलों में आयोजित डंडार प्रतियोगिताओं में भाग लेता है।

डंडार प्रतियोगिताओं में लगातार प्रथम पुरस्कार प्राप्त

निक्की ठाकुर ने बताया कि जय सेवा डंडार मण्डल मरकढ़ाना ने ग्राम नरेरा में आयोजित डंडार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसके बाद मोहनढाना, बारगवाड़ी, दूल्हारा, सारनी, मलाजपुर, रतनपुर, नहरपुर, बटकी, भीमपुर और बैतूल सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित प्रतियोगिताओं में अपनी प्रस्तुति के आधार पर पुरस्कृत हुआ। शिव बारात में यह मंडल आदिवासी लोकसंस्कृति की सशक्त प्रस्तुति देगा।

बैतूल स्कूल भवन तोड़ने का मामला राज्यसभा में उठा : इमरान प्रतापगढ़ी बोले- मुसलमान स्कूल बनाए तो घर गिरा दिया जाता है

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल जिले के भैंसदेही तहसील के ढाबा गांव में एक मुस्लिम युवक अब्दुल नईम द्वारा बनाए जा रहे स्कूल भवन को प्रशासन द्वारा तोड़े जाने का मामला अब संसद तक पहुंच गया है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने इस मुद्दे को राज्यसभा में उठाया, जिसके बाद यह विवाद राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया है।

इमरान प्रतापगढ़ी ने यह मामला गुरुवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान उठाया। उस समय उपसभापति हरिवंश सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे थे। प्रतापगढ़ी को इस मुद्दे पर बोलने के लिए तीन मिनट का समय मिला था।

बैतूल के मामले को 'नया भारत' बताया: प्रतापगढ़ी ने बैतूल के मोहम्मद नईम के मामले को भी 'नए भारत' का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि नईम बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कूल बनवा रहा था, लेकिन उसका भवन इसलिए गिरा दिया गया क्योंकि वह मुसलमान था और शिक्षा देना चाहता था। इस मामले की जानकारी देते हुए बताया गया कि ढाबा गांव निवासी अब्दुल नईम ने अपनी व्यावसायिक डायवर्शन वाली जमीन पर लगभग 20 लाख रुपये की लागत से एक स्कूल भवन का निर्माण कराया था। उनका उद्देश्य गांव के बच्चों को नर्सरी से आठवीं तक की शिक्षा प्रदान करना था।

बोले- नफरत फैलाने वालों को संरक्षण मिल रहा

प्रतापगढ़ी ने अपने भाषण की शुरुआत एक शेर से की, जिसमें उन्होंने कहा कि 'बात दलीलों से तो रद्द होती है, उनके होंठों की खामोशी भी सनद होती है। कुछ न कहने से भी छिन जाता है एजाज़े सुखन, जुल्म सहने से भी जालिम की मदद होती है।' उन्होंने आगे कहा कि यह देश ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां अमन और मोहब्बत की बात करने वालों पर कार्रवाई होती है, जबकि नफरत फैलाने वालों को संरक्षण मिलता है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि यह 'नया भारत' है, जहां असम के मुख्यमंत्री मुसलमानों को राज्य छोड़ने पर मजबूर करने की बात करते हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में नीट परीक्षा पास करने वाले 50 में से 42 मुस्लिम बच्चों के बाद मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द किए जाने का भी जिक्र किया।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 7 फरवरी 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

अज्ञात बदमाशों ने सुने मकान में किया हाथ साफ, लाखों के जेवरात व नगदी ले उड़े चोर

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाने में प्रकरण दर्ज, पुलिस अज्ञात बदमाश चोर की पतासाजी में जुटी

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिवनी-बालाघाट मुख्य मार्ग पर ग्राम पाथरशाही में चोरी की घटना सामने आई है। पुलिस विभिन्न चोरी की घटनाओं पर चोर बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें जेल की हवा खिला चुकी है, लेकिन फिर भी चोर बदमाशों के हौसले बुलंद हैं।चोरों में पुलिस का खौफ नहीं है। पुलिस की पेट्रोलिंग गस्त पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस व प्रार्थी पक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार पाथरशाही सिहोरा निवासी प्रार्थी सदनलाल पिता नत्थूलाल मात्रे 5 फरवरी की रात्रि 9ः00 बजे दरवाजा में ताला बंद कर सिहोरा ग्राम में शादी समारोह में परिवार सहित गया हुआ था। जब वापस लगभग रात्रि 10 बजे घर पहुंचा तो घर के सामने का दरवाजा खुला एवं अंदर जाकर देखा तो कमरे में लकड़ी का संदूक व टीन की पेटी खुला हुआ व सामान बिखरा हुआ दिखाई दिया। जहां प्रार्थी ने परिवार सहित संदूक व पेटी में रखे हुए एक सोने का हार, एक जोड़ी सोने का कान का झुमका, दो सोने की अंगूठी, दो पायल देखा तो गायब थे, एवं 1लाख 19000 नगदी रुपये भी गायब थे। प्रार्थी ने परिवार सहित घर के अंदर व घर के आसपास बहुत ढूंढा लेकिन कहीं कुछ नहीं मिला। जिसकी जानकारी प्रार्थी ने पास पड़ोस व ग्राम के स्थाई पटेल, सरपंच, पूर्व सरपंच व ग्राम वासियों को दी एवं उनके साथ अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाने लालबर्रा थाना पहुंचे। जहां प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण क्रमांक 48/2026 में भारतीय न्याय संहिता की अपराध धारा 305ए, 331(4) के तहत चोरी का प्रकरण दर्ज कर पुलिस अज्ञात बदमाश चोरों की पतासाजी में जुट गई है। परिवार इस चोरी की घटना से आहत होकर चिंतित है। उक्त घटना की कायमी सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद जिजोते ने की है एवं इस चोरी की घटना की जांच की जिम्मेदारी प्रधान आरक्षक महेंद्र तुरकर को सौंपी गई है।

परीक्षा पे चर्चा में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र

कलेक्टर श्री मीना ने विद्यार्थियों को दिए टिप्स और साझा किए अनुभव

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 06 फरवरी को आयोजित ÷परीक्षा पे चर्चा÷ कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से संवाद किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से मुक्त रहकर आत्मविश्वास के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि परीक्षा को किसी युद्ध की तरह नहीं, बल्कि उत्सव की तरह लेना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छात्रों को स्मार्ट स्टडी, नियमित रिवीजन, समय प्रबंधन, डिजिटल डिस्ट्रैक्शन से दूरी बनाने और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि शांत मन और सही रणनीति से हर विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर सकता है।

इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बालाघाट जिले के सभी स्कूलों में किया गया। सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर श्री मृणाल मीना विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को सुना। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मीना ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान तनाव को खुद पर हावी न होने दें। शांत मन, एकाग्रता और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह आपकी पूरे वर्ष की मेहनत का परिणाम होता है, इसलिए बिना घबराए पूरे मनोयोग से प्रश्नपत्र हल करें।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने विद्यार्थियों से अपनी यूपीएससी परीक्षा की तैयारी और सफलता के अनुभव भी साझा किए। कलेक्टर ने अपने अनुभवों के माध्यम से छात्रों को मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास का महत्व समझाया।

इस अवसर पर सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य डा. युवराज रहंगडाले, उप प्राचार्य श्री साजिद मोहसिन, समाजसेवी श्री तपेश असाटी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। परीक्षा पर चर्चा के इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में नया आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

पाकिस्तान जेल से 7 वर्ष बाद रिहा हुआ खैरलांजी का युवक

जिला प्रशासन की पहल से घर वापसी संभव

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के तहसील मुख्यालय खैरलांजी निवासी युवक प्रसन्नजीत रंगारी को पाकिस्तान की जेल में सात वर्ष तक बंद रहने के बाद रिहा कर दिया गया है। रिहाई के उपरांत उसे वाघा बॉर्डर पर भारतीय अधिकारियों को सौंपा गया, जहां से आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं।

प्रसन्नजीत की रिहाई के बाद उसे अमृतसर से खैरलांजी लाने के लिए परिवार ने बालाघाट जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई थी। परिवार की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा एक विशेष टीम गठित कर प्रसन्नजीत को लाने के लिए अमृतसर रवाना किया गया। यह टीम अमृतसर पहुंच चुकी है और प्रसन्नजीत को लेकर खैरलांजी के लिए रवाना हो गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रसन्नजीत के आज शाम तक खैरलांजी पहुंचने की संभावना है।

लंबे समय बाद अपने बेटे की घर वापसी की खबर से परिवार में खुशी का माहौल है। प्रसन्नजीत के परिजनों ने इस मानवीय सहयोग के लिए बालाघाट जिला प्रशासन और कलेक्टर श्री मृणाल मीना के प्रति आभार व्यक्त किया है। जिला प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है, जिससे वर्षों बाद एक परिवार को अपने सदस्य से पुनः मिल पाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

जल जीवन मिशन से बदली ग्राम डोरली की तक़दीर, हर घर पहुंचा स्वच्छ जल

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग बालाघाट द्वारा संचालित जल जीवन मिशन ने लालबर्रा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनी के ग्राम डोरली में ऐतिहासिक बदलाव लाया है। जिला मुख्यालय से लगभग 24 किलोमीटर दूर स्थित इस ग्राम की आबादी 1125 है। जल जीवन मिशन से पहले ग्राम डोरली के ग्रामीण पेयजल के लिए कुओं और हैंडपंपों पर निर्भर थे, जहां महिलाओं और बच्चों को रोजाना लंबी दूरी तय कर पानी लाना पड़ता था, जिससे समय की बर्बादी के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बनी रहती थीं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम डोरली को हर घर जल योजना से जोड़ा गया, जिसके तहत गांव में पाइपलाइन बिछाकर प्रत्येक घर को नल कनेक्शन प्रदान किया गया तथा जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम स्तर पर नियमित जांच की व्यवस्था की गई और ग्रामीणों की सहभागिता से पानी समिति का गठन कर योजना के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नल से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने के बाद गांव में डायरिया सहित जलजनित बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है। महिलाओं को अब दूर से पानी लाने की आवश्यकता नहीं रही, जिससे उनके प्रतिदिन 2 से 3 घंटे की बचत हो रही है और वे इस समय का उपयोग स्वरोजगार एवं अन्य उपयोगी कार्यों में कर रही हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षा पर भी पड़ा है और स्कूल जाने वाली बालिकाओं की उपस्थिति में वृद्धि हुई है। वर्तमान में ग्राम डोरली के सभी 173 परिवारों के पास निजी नल कनेक्शन उपलब्ध है तथा ग्राम डोरली हर घर जल रिपोर्टेड एवं प्रमाणित गांव बन चुका है। जल जीवन मिशन से ग्राम में पानी की समस्या का स्थायी समाधान हुआ है और ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। ग्राम डोरली के समस्त ग्रामीण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग बालाघाट के प्रति जल जीवन मिशन जैसी जनकल्याणकारी योजना के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

बालाघाट में वृद्ध माता-पिता एवं भरण-पोषण अधिकरण का पैनल गठित

बालाघाट। बालाघाट एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने वृद्ध माता-पिता एवं भरण-पोषण अधिनियम के अंतर्गत जिले में तहसील स्तर पर गठित अधिकरण के अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी है। एसडीएम श्री गोपाल सोनी इसके अध्यक्ष होंगे। वहीं सामाजिक न्याय विभाग बालाघाट के उपसंचालक को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही नगर पुलिस अधीक्षक बालाघाट, एसडीओपी परसवाड़ा, खंड चिकित्सा अधिकारी लामता, रेडक्रॉस सोसायटी जिला चिकित्सालय बालाघाट के प्रतिनिधि तथा पेंशनर संघ बालाघाट के अध्यक्ष को इसमे सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है।

पीजी कॉलेज बालाघाट में देखा गया 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का लाईव प्रसारण

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वर्चुअल सभागार में 06 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का ऑनलाइन सीधा प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के तनाव को कम करने, सकारात्मक सोच बनाए रखने तथा परीक्षा के समय उत्साह एवं आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मनोबल बढ़ाने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया, ताकि वे अच्छे अंकों के साथ परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के समस्त छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली। साथ ही महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मिलावटखोरी पर सख्ती, बालाघाट में कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

20 नमूने जांच के लिए भेजे गए

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

आम जनता को मिलावट रहित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर जिले में लगातार निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थों और "स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बालाघाट के गायखुरी स्थित मां कुष्मांडा किराना एवं भवानी किराना प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सूजी, जीरा, मैदा, नमक आदि के कुल 6 नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए लिए गए। साथ ही दोनों दुकानों के पास खाद्य पंजीकरण न होने के कारण उनके विरुद्ध प्रकरण तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा भटेरा स्थित गुरु नानक एवं वाहेगुरु किराना से साबूदाना, खाद्य तेल, मसाले आदि के 4 नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। वहीं गुजरी क्षेत्र से मिलेट्स जैसे ज्वार, बाजरा, रागी आदि के 10 नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए एकत्रित किए गए हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि जांच में कोई भी नमूना अमानक पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश कुमार डोंगरे एवं गीता तान्डेकर उपस्थित रहे। विभाग द्वारा आगे भी इस तरह की निरीक्षण एवं कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही गई है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

लघु तालाब निर्माण से सिंचाई, मत्स्य पालन और आय में हुआ उल्लेखनीय इजाफा

मनरेगा से बदली ग्रामीण किसान की तस्वीर

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम बन रही है। जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द में लघु तालाब निर्माण से एक किसान परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में बड़ा परिवर्तन आया है। ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द निवासी हितग्राही श्री राधेश्याम/नत्थूलाल को मनरेगा अंतर्गत लघु तालाब निर्माण कार्य की की स्वीकृत लागत 3.13 लाख रुपये थी, जिसमें से 2.82 लाख रुपये की राशि व्यय की गई एवं कार्य पूर्ण किया गया। इस दौरान कुल 1381 मानव दिवस का सृजन हुआ। तालाब निर्माण से पूर्व हितग्राही सिंचाई सुविधा के अभाव में मत्स्य पालन एवं कृषि उत्पादन नहीं कर पा रहे थे, जिससे उनकी आय सीमित थी। मनरेगा के अंतर्गत लघु तालाब निर्माण के बाद हितग्राही द्वारा मत्स्य पालन प्रारंभ किया गया। तालाब में रोहू, कतला, जलगा जैसी मछलियों का पालन किया गया, जिससे प्रथम वर्ष से ही उत्पादन शुरू हो गया। राधेश्याम द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 20 क्विंटल मछली उत्पादन कर स्थानीय बाजार में विक्रय किया जा रहा है, जिससे उन्हें लगभग 2.00 लाख रुपये वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। साथ ही सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने से कृषि उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। सिंचाई के माध्यम से हितग्राही द्वारा लगभग 1.00 लाख रुपये प्रतिवर्ष की अतिरिक्त आय अर्जित की जा रही है। लघु तालाब निर्माण के बाद हितग्राही द्वारा अपनी कृषि योग्य भूमि पर सब्जी उत्पादन भी किया जा रहा है, जिसमें टमाटर, मटर, मिर्च एवं गोभी जैसी फसलों का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में विक्रय किया जा रहा है। इससे लगभग 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष की अतिरिक्त आय हो रही है। इस प्रकार लघु तालाब निर्माण से हितग्राही की कुल वार्षिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। पहले जहां परिवार को आजीविका के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब वे आत्मनिर्भर होकर सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं। राधेश्याम ने बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के माध्यम से निर्मित तालाब ने उनके जीवन की दिशा बदल दी है। उन्होंने शासन एवं पंचायत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही है।

एसडीएम वारासिवनी ने किया उचित मूल्य दुकान पनबिहरी एवं प्रदाय केंद्र लालबर्रा का औचक निरीक्षण

उचित मूल्य दुकान पनबिहरी में अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही के लिए प्रकरण तैयार

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

एसडीएम वारासिवनी श्री कार्तिकेय जायसवाल द्वारा 06 फरवरी 2026 को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील किरार के साथ उचित मूल्य दुकान पनबिहरी एवं प्रदाय केंद्र लालबर्रा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उचित मूल्य दुकान पनबिहरी में अनियमितताएं पाई गईं। जांच में सामने आया कि हितग्राही श्रीमती खेलन बाई यादव को विक्रेता श्री वेणु सिलेकर द्वारा माह जनवरी 2026 में निर्धारित मात्रा से 10 किलो राशन कम दिया गया था। मौके पर दुकान के स्टॉक का सत्यापन करने पर उपलब्ध स्टॉक भी कम पाया गया। इस गंभीर अनियमितता को देखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 के तहत पंचनामा बनाकर विधिवत प्रकरण तैयार किया गया है। संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसके पश्चात एसडीएम द्वारा शासकीय गोदाम लालबर्रा एवं प्रदाय केंद्र लालबर्रा का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नागरिक आपूर्ति निगम के केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया गया कि खाद्यान की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा उचित मूल्य दुकानों तक राशन सामग्री समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम श्री जायसवाल ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 7 फरवरी 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सृजन बालसभा के माध्यम से किशोरों को मिला सही दिशा का मार्गदर्शन

बोरदई शासकीय हाई स्कूल जनता नगर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा का प्रेरणादायी संवाद

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा किशोरों के सर्वांगीण विकास हेतु संचालित 'सृजन एवं सम्मान अभियान' के अंतर्गत बोरदई शासकीय हाई स्कूल, जनता नगर में 'सृजन बालसभा' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से जीवंत संवाद करते हुए उन्हें शिक्षा, करियर, नागरिक कर्तव्यों और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों को सही समय पर सही निर्णय लेने हेतु जागरूक करना तथा उन्हें एक जिम्मेदार और सफल नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करना रहा।

यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक महोदय सुनील मेहता के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा के निर्देशन व आतिथ्य में संपन्न हुआ। आयोजन में कंट्रोल रूम प्रभारी निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे एवं मार्गिक फाउंडेशन की सक्रिय सहभागिता रही।

उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति और करियर विकल्पों की जानकारी

कार्यक्रम के दौरान उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर उपलब्ध छात्रवृत्तियों, मेडिकल, इंजीनियरिंग, तकनीकी एवं मानविकी विषयों, डिप्लोमा एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सूची समझाई गई। छात्रों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार विषय चयन करने के लिए प्रेरित किया गया।

यूनिफॉर्म सर्विसेज हेतु शारीरिक तैयारी का मार्गदर्शन

सेना, पैरामिलिट्री एवं पुलिस जैसी यूनिफॉर्म सर्विसेज में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए शारीरिक एवं चिकित्सकीय मापदंडों की जानकारी दी गई। फिजिकल टेस्ट की तैयारी, अनुशासित जीवनशैली और नियमित व्यायाम के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

व्यक्तित्व विकास और सह-पाठ्य गतिविधियों का महत्व

एक अच्छा नागरिक बनने के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास आवश्यक है– इस संदेश के साथ स्काउट-गाइड, एनसीसी, एनएसएस, खेलकूद, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं साहसिक गतिविधियों में सहभागिता के महत्व को समझाया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया में बेहतर प्रदर्शन के लिए आत्मविश्वास, संवाद कौशल और अनुशासन की भूमिका पर भी चर्चा की गई।

गरिमामय उपस्थिति और बच्चों का उत्साह: कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रधान, संस्था के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की गरिमामय उपस्थिति रही। ग्रामीण अंचल के विद्यालय में इस प्रकार के जागरूकता एवं जन-संवाद कार्यक्रम किशोरों को भविष्य की दिशा तय करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के सटीक उत्तर देने पर उन्हें पुरस्कृत कर प्रोत्साहित भी किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सी. एस. उईके, दूरदर्शन से अजहर तथा राष्ट्र बाण समाचार पत्र से संजय बघेल जी की मीडिया की ओर से प्रेरणादायी उपस्थिति रही। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। यह सृजन बालसभा न केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम बनी, बल्कि ग्रामीण किशोरों के लिए उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम भी साबित हुई।

सृजन बालसभा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम में सामूहिक भाग लेते छात्र- छात्राएं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर विस्तृत मार्गदर्शन

बालसभा में उपस्थित छात्र-छात्राओं को शासकीय सेवाओं हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। श्री मिश्रा ने बताया कि कक्षा छठवीं से दसवीं तक की विद्यालयीन पुस्तकों के माध्यम से सामान्य अध्ययन की मजबूत नींव कैसे तैयार की जा सकती है। उन्होंने इतिहास, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, भूगोल, विज्ञान, करंट अफेयर्स, खेल एवं विविध विषयों के साथ-साथ सामान्य हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं तार्किक ज्ञान की तैयारी की रणनीति को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन, पुनरावृत्ति और बुनियादी अवधारणाओं की स्पष्ट समझ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की कुंजी है। इसके साथ ही अन्य आवश्यक संदर्भ पुस्तकों की जानकारी भी साझा की गई।

मीडिया और समाचारों से सीखने की आदत पर बल

छात्रों को विद्यालयीन पढ़ाई के साथ-साथ आकाशवाणी और दूरदर्शन से प्रसारित शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं समाचारों को नियमित रूप से सुनने-देखने की सलाह दी गई। मुख्य तथ्यों की एक अलग डायरी तैयार करने, दैनिक समाचार पत्रों के समुचित उपयोग तथा रोजगार समाचार और रोजगार निर्माण जैसे साप्ताहिक पत्रों से प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के तरीके बताए गए। इसके अलावा विभिन्न मासिक पत्रिकाओं, वार्षिकांकों एवं ईयर बुक्स की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला गया।

सिवनी। छात्रों को ईनाम दें, उत्साहवर्धन करते हुए एएसपी दीपक मिश्रा।

साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता

बालसभा में साइबर सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबर (112, 1090, 1098, 1930), यातायात सुरक्षा, राहवीर योजना, गुड टच-बैड टच, सेल्फ डिफेंस, सिविक सेंस तथा पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। इन विषयों ने बच्चों को सुरक्षा के प्रति सजग और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सृजन कार्यक्रम से सिख रहे छात्र सफलता के गुण।

जन चर्चा हुई आम, ई चालान घोटाले में शामिल है बड़े नाम

घोटाले के लिए विख्यात होते जा रही है, सिवनी जिले की केवलारी तहसील !

राष्ट्रबाण केवलारी | संवाददाता
rashtrabaan.in

मामला मध्य प्रदेश के सिवनी जिले अंतर्गत आने वाली केवलारी तहसील का है, जहां पर 11 करोड़ 16 लाख से भी अधिक के राजस्व विभाग के घोटाले से प्रदेश नहीं अपितु पूरे देश में चर्चा में आया राजस्व विभाग केवलारी में अब नए ई-चालान घोटाले की आहटो का बाजार गर्म है, आपको बता दें कि केवलारी में मुख्यालय नहीं अपितु सिवनी मुख्यालय भी इस घोटाले को लेकर तरह-तरह की जन चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोग अब केवलारी को घोटाला वाली केवलारी के रूप में एक नई पहचान दे रहे हैं।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी अनुसार केवलारी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में स्थित शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर अपनी जीविका या अपना जीवन यापन करने वाले लोगों पर वर्ष भर में कम से कम एक बार राजस्व न्यायालय नायब तहसीलदार उगली एवं पलारी इसी प्रकार न्यायालय तहसीलदार केवलारी द्वारा मध्य प्रदेश शासन के आरसीएमएस नमक पोर्टल पर केस दर्ज कर उन संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अर्थ दंड अधिरोपित कर, उन्हें उक्त भूमि से बेदखल का आदेश जारी करते हैं। वह अर्थ दंड संबंधित व्यक्तियों को मध्य प्रदेश शासन की साइबर ट्रेजरी के माध्यम से ई-चालान के रूप में भुगतान करने का नियम है। उन्हीं चालानों में अनियमिताएं की गई है, आपको बता दें कि जन चर्चा ऐसी है कि अनेक व्यक्तियों द्वारा फर्जी चालान तैयार कर, उसे संबंधित राजस्व न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर, मध्य प्रदेश शासन को लाखों का राजस्व (धन) का चूना लगाया गया है ,एवं स्वयं अपनी तिजोरिया भरी गई है। जिनमें कुछ जिम्मेदार शासकीय नुमाइंदों की संलिप्त भी प्रतीत हो रही है।

संजीत सिंह बघेल ने किया शिकायत दर्ज

मामला संज्ञान में आते ही संजीत सिंह बघेल ने अनुविभागी अधिकारी (राजस्व) केवलारी को अनेक संदिग्ध चालान समेत एक लिखित शिकायत प्रस्तुत किया है एवं वर्ष 2021 से वर्तमान वर्ष तक सभी चालानो की जांच की मांग किया है। संजीत सिंह बघेल ने दावा किया है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तो निश्चित ही कुछ बड़े एवं प्रभावशाली लोगों का नाम सामने आएगा।

निर्दोष व्यक्तियों के सामने खड़ी हुई मुसीबत

जो अधिकांश व्यक्ति छोटी-छोटी शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर उस पर कृषि कार्य कर अपनी जीविका चला रहे हैं, उन व्यक्तियों द्वारा संबंधित राजस्व न्यायालय से जारी आदेश के उपरांत अर्थ दंड के भुगतान के लिए स्वयं इतने सक्षम नहीं है कि, वह स्वयं अपने मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मध्य प्रदेश शासन की साइबर ट्रेजरी के माध्यम से ई चालान का उपयोग कर सकें, इसके लिए वह केवलारी मुख्यालय या अन्य स्थानों पर स्थित सर्विस प्रोवाइडर या एमपी ऑनलाइन की दुकान संचालकों के समक्ष पहुंचकर उन्हें बाकायदा तय अर्थ दंड से अधिक राशि देकर उनके द्वारा ई चालान का भुगतान करवाया जाता है , उसी का फायदा उठाकर कुछ सर्विस प्रोवाइडर या एमपी ऑनलाइन संचालकों द्वारा उन्हें फर्जी चालान की प्रति दे दी गई और जिसकी जानकारी संबंधित व्यक्ति को भी नहीं दी गई ! और बाकायदा उक्त अवैध कब्जा धारी से पूरे पैसे लिए गए, सर्विस प्रोवाइडर या एमपी ऑनलाइन संचालक से प्राप्त ई चालान को संबंधित व्यक्तियों द्वारा संबंधित राजस्व न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया, अब यहां पर यह सवाल खड़ा होता हैं कि इसमें उस व्यक्ति का क्या दोष या क्या अपराध ? उसके साथ तो स्वयं धोखाधड़ी हुई है। इस मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी वह व्यक्ति होना चाहिए जो कि इस घोटाले का मुख्य रचयिता है ना कि वह छोटा और गरीब गांव का निवासी जिसके पूरे पैसे भी खर्च हुए एवं उसे फर्जी ई चालान की प्राप्ति हुई ।घोटाले के लिए विख्यात होते जा रही है, सिवनी जिले की केवलारी तहसील !

आखिर क्यों नहीं थी जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका तय ?

जब किसी भी व्यक्ति द्वारा संबंधित राजस्व न्यायालय के समक्ष ई चालान की प्रति पहुंचती थी तो, वहां पर पदस्थ जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ई-चालान का सत्यापन क्यों नहीं किया जा रहा था ? या उनकी भी इस घोटाले में अहम भूमिका है ? जबकि किसी भी साइबर ट्रेजरी से प्राप्त ई चालान की पुष्टि करने की विधि बेहद सरल है, मध्य प्रदेश शासन की ई साइबर ट्रेजरी नमक पोर्टल पर चालान सर्च करने का विकल्प आता है , जहां पर ई चालान नंबर अंकित करने पर उसकी सत्यता की पुष्टि की जा सकती है । किंतु ऐसा नहीं किया गया और जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही या उनकी संलिप्ता के कारण मध्य प्रदेश शासन को लाखों के राजस्व (धन) का चूना लगा है !

गिरोह के मुखिया का नाम होगा उजागर ?

आपको बता दें कि इस घोटाले के मुख्य सूत्रधार यानी गिरोह का मुखिया एक ही व्यक्ति है जिसके द्वारा बड़े शातिर अंदाज में इस घोटाले को जन्म दिया गया और अपना नाम कही भी ना आए इस वजह से उसके द्वारा अपनी दुकान पर काम करने वाले व्यक्तियों को सामने कर उनके माध्यम से इस घोटाले को अंजाम दिया गया है । जिसका निष्पक्ष जांच में स्पष्ट हो जाएगा, किंतु हो सकता है कि साक्ष्य के अभाव में उस व्यक्ति का नाम सीधे तौर पर शामिल होने ना होना पाया जाए, पर आम जनता को इस विषय में पर सब कुछ स्पष्ट है कि इस पूरे घोटाले का मुख्य सूत्रधार वही व्यक्ति है ।

हमेशा की तरह जनप्रतिनिधि रहेंगे मौन ?

जैसे कि केवलारी तहसील में पहले से ही अनेक घोटाले हैं जैसे - स्मार्ट क्लास घोटाला, नगर परिषद केवलारी में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं घोटाला, जनपद पंचायत केवलारी का घोटाला, शासकीय भूमि का क्रय एवं विक्रय, अवैध कॉलोनी इत्यादि ऐसे दर्जन भर मामले हैं, किंतु इन पर कभी क्षेत्रीय विधायक रजनीश हरवंश सिंह को और ना ही क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को खिलाफ में मुखर होकर अपना विरोध दर्ज कराते नहीं देखा गया है । ऐसे ही शायद इस घोटाले से भी उन्हें कोई लेना देना नहीं होगा ?

पेड़ पर फंदे से मिला युवक का शव : पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से नीचे उतारा

परिजनों ने बताया सामान्य स्वभाव का था

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जंगल में शुक्रवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामला घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिनैकी कला का है। मृतक की पहचान नरेंद्र यादव (30) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

शुक्रवार सुबह ग्राम बिनैकी कला के कुछ ग्रामीण जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान उन्होंने एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटके एक युवक को देखा। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना घंसौर थाना पुलिस को दी।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया

सूचना मिलते ही घंसौर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार, मृतक नरेंद्र यादव ग्राम बिनैकी कला का निवासी था। युवक ने यह कदम किन कारणों से उठाया, इसका फिलहाल कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके।

ग्रामीणों ने बताया युवक सामान्य स्वभाव का था

घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे। गांव में इस घटना को लेकर गंभीर माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि नरेंद्र सामान्य स्वभाव का युवक था, जिससे इस घटना ने ग्रामीणों को आश्चर्यचकित कर दिया है। इस संबंध में घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झरिया ने बताया कि एक युवक द्वारा पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई है। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच जारी है, जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

आरसेटी में बैंक सखियों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सम्पन्न

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सिवनी अंतर्गत आरसेटी प्रशिक्षण संस्थान बीझावाड़ा, सिवनी में ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत बैंक सखियों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बैंक सखियों को विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रकरणों की प्रक्रिया एवं व्यवहारिक जानकारी विस्तार से प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजय रस्तोगी, जिला प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, जनजातीय विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के जिला समन्वयक तथा आरसेटी निदेशक द्वारा अपने-अपने विभागों की योजनाओं एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में बताया गया कि बैंक सखियाँ स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों एवं क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) के सदस्यों को बैंकिंग सुविधाएँ एवं सेवाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ये बैंक सखियाँ खातों से राशि आहरण, जमा, ऋण प्रकरण तैयार करने तथा बैंक से समन्वय स्थापित करने में सक्रिय सहयोग प्रदान करती हैं।

कक्षा 5वीं व 8वीं की वार्षिक परीक्षा 20 से 28 फरवरी तक, तैयारियां शुरू

सिवनी। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि शासन के निर्देशानुसार कक्षा 5वीं एवं 8वीं की वार्षिक परीक्षा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत दिनांक 20 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के पत्र क्रमांक/राशिके/मूल्यांकन/वार्षिक परीक्षा कक्षा-5,8/2025-26/352 एवं 354, दिनांक 17 दिसंबर 2025 के परिपालन में जिले में परीक्षा की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग

संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध

संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

TVS

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433